

शामिल विषय (TOPICS COVERED)

1. शामदी : सह-जीवन की कला (28 अप्रैल) (GS PAPER I: समाज, GS PAPER IV: नैतिकता)
2. पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के प्रमाण वाली चट्टानों की खोज की गई (28 अप्रैल) (GS PAPER I: भौतिक भूगोल)
3. फैशन में उड़ान (28 अप्रैल) (GS PAPER III: बेसिक साइंस)
4. हैंगर श्रेणी की उन्नत पनडुब्बियां (28 अप्रैल) (GS PAPER II: भारत और उसके पड़ोसी)
5. क्या नए बीमा नियमों से वरिष्ठ नागरिकों को मदद मिलेगी? | समझाया (28 अप्रैल) (GS PAPER II: समाज का कमजोर वर्ग)
6. कोई उम्मीदवार कब निर्विरोध चुना जाता है? | व्याख्या (28 अप्रैल) (GS PAPER II: चुनावी प्रणाली)
7. चरम जलवायु घटनाएं एशिया को कैसे प्रभावित करती हैं? (28 अप्रैल) (GS PAPER III: पर्यावरण, आपदा प्रबंधन)

सह-जीवन की कला (28 अप्रैल) (GS PAPER I: समाज, GS PAPER IV: नैतिकता)

- "शामदी" (तिवा में) या छात्रावास, पूर्वोत्तर भारत में आदिवासी समुदायों के बीच एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है।
- यह एक सामुदायिक रहने की जगह के रूप में कार्य करता है जहां युवा विभिन्न जीवन कौशल सीखते हैं और अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं।
- छात्रावास में सिखाए जाने वाले कौशल में पारंपरिक कला और शिल्प से लेकर जीवन साथी चुनने जैसे महत्वपूर्ण जीवन निर्णयों पर चर्चा तक शामिल है।
- छात्रावास में भागीदारी से युवाओं में समुदाय और सौहार्द की भावना बढ़ती है।

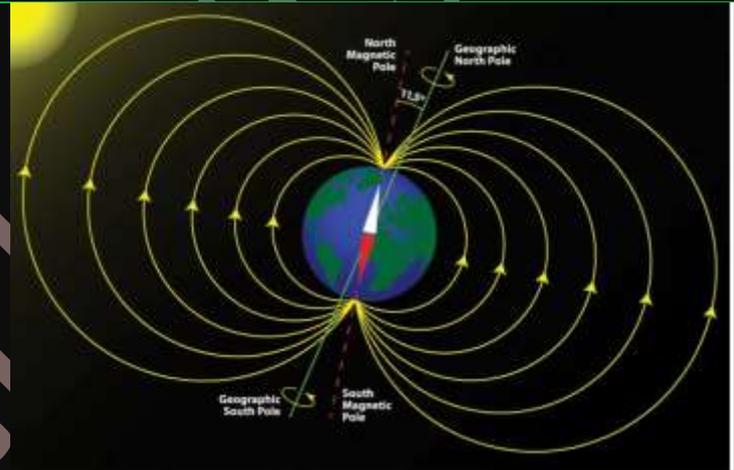
- छात्रावास के सदस्यों की आयु सीमा विभिन्न जनजातीय समूहों के बीच भिन्न-भिन्न होती है।
- छात्रावास के सदस्य समुदाय के भीतर जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करते हैं, जैसे किसानों को कटाई में मदद करना या घर के निर्माण में सहायता करना।
- छात्रावास के सदस्यों द्वारा प्रदान की गई सहायता स्वैच्छिक है, और वे बदले में किसी मुआवजे की उम्मीद नहीं करते हैं।
- समाज में छात्रावासों की स्थायी प्रासंगिकता और सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से उनके सकारात्मक प्रभाव के बावजूद, उन्हें बाहरी प्रभावों, विशेषकर इंटरनेट के कारण आधुनिक दुनिया में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- शामदी पारिस्थितिकी तंत्र में प्रवेश करने की सख्त मनाही है, जो इस सामाजिक संस्था के लिंग-विशिष्ट पहलू को दर्शाता है।

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के प्रमाण वाली चट्टानों की खोज की गई (28 अप्रैल) (GS PAPER I: भौतिक भूगोल)

पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र

पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र हमारे ग्रह के आसपास का क्षेत्र है। यह एक विशाल सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है, जो सूर्य और ब्रह्मांडीय किरणों से आवेशित कणों के साथ संपर्क करता है

उत्पत्ति: " जियोडायनेमो " द्वारा उत्पन्न। यह पृथ्वी के बाहरी कोर में घूमते, पिघले हुए लोहे की गति है, जो एक विशाल विद्युत जनरेटर की तरह काम करता है।



प्रमुख विशेषताएँ

- यह पृथ्वी के घूर्णन अक्ष से थोड़ा झुका हुआ एक बार चुंबक जैसा दिखता है।
- **ध्रुव:** भू-चुंबकीय उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव भौगोलिक ध्रुवों से मेल नहीं खाते हैं और समय के साथ अपनी स्थिति बदलते रहते हैं।
- **ताकत:** एक समान नहीं और सतह पर अलग-अलग होती है। नैनोटेस्लास (एनटी) नामक इकाइयों में मापा जाता है।
- **महत्त्व:**
 - **सौर पवन विक्षेपण:** सबसे हानिकारक सौर विकिरण को सतह तक पहुँचने से रोकता है।
 - **नेविगेशन:** जानवरों द्वारा प्रवास के लिए और मनुष्यों द्वारा कम्पास के साथ उपयोग किया जाता है।
 - **औरोरा:** आश्चर्यजनक ध्रुवीय प्रकाश प्रदर्शन का कारण बनता है - औरोरा।

चुंबकीय क्षेत्र में परिवर्तन

- **भटकते ध्रुव:** कोर में परिवर्तन के कारण चुंबकीय उत्तर तेजी से स्थानांतरित हो रहा है।

- **कमज़ोर होना:** हाल के दशकों में क्षेत्र की समग्र ताकत थोड़ी कम हो रही है।
- **उलटाव:** ऐतिहासिक रूप से, चुंबकीय उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव पूरी तरह से उलट गए हैं, हालांकि हम वर्तमान में उलटफेर की ओर नहीं बढ़ रहे हैं।
- एमआईटी और ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के भूवैज्ञानिकों ने ग्रीनलैंड में प्राचीन चट्टानों की खोज की है जिनमें पृथ्वी के प्रारंभिक चुंबकीय क्षेत्र के सबसे पुराने अवशेष मौजूद हैं।
- चट्टानें लगभग 3.7 अरब वर्ष पुरानी हैं और इनमें पृथ्वी के वर्तमान चुंबकीय क्षेत्र के समान कम से कम 15 माइक्रोटेस्ला की ताकत वाले चुंबकीय क्षेत्र के लक्षण दिखाई देते हैं।
- जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्च में प्रकाशित यह अध्ययन पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र होने के कुछ शुरुआती सबूत प्रदान करता है।
- पिछले अध्ययनों ने पृथ्वी पर कम से कम 3.5 अरब वर्ष पुराने चुंबकीय क्षेत्र का संकेत दिया था, लेकिन यह शोध इसे 200 मिलियन वर्ष तक बढ़ा देता है।
- एमआईटी के पृथ्वी, वायुमंडलीय और ग्रह विज्ञान विभाग के और लेखकों में से एक बेंजामिन वीस का सुझाव है कि यदि पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र कुछ सौ मिलियन वर्ष पहले मौजूद होता, तो यह ग्रह को रहने योग्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता था।

चुंबकीय ढाल

- वैज्ञानिकों को संदेह है कि पृथ्वी के विकास के आरंभ में जीवन का समर्थन करने की क्षमता को एक मजबूत चुंबकीय क्षेत्र से सहायता मिली थी।
- इस चुंबकीय क्षेत्र ने संभवतः जीवन-निर्वाह वातावरण बनाए रखने में मदद की और ग्रह को हानिकारक सौर विकिरण से बचाया।
- जबकि सबूत लगभग 3.5 अरब साल पहले पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के अस्तित्व का सुझाव देते थे, सटीक ताकत और समय अज्ञात थे।
- शोधकर्ताओं का लक्ष्य उन चट्टानों को ढूँढना है जो पहली बार बनने पर पृथ्वी के प्रारंभिक चुंबकीय क्षेत्र के हस्ताक्षर को संरक्षित करती हैं।
- उन्होंने दक्षिण-पश्चिमी ग्रीनलैंड में इसुआ सुप्राक्रस्टल बेल्ट से चट्टानों का नमूना लिया, जो बैंडेड लौह संरचनाओं पर ध्यान केंद्रित करते थे, जो संभवतः लगभग 2.5 अरब साल पहले वायुमंडलीय ऑक्सीजन के उदय से पहले बने थे।
- यूरेनियम-सीसा अनुपात का उपयोग करके, उन्होंने निर्धारित किया कि चट्टानों में कुछ चुंबकीय खनिज लगभग 3.7 बिलियन वर्ष पुराने थे।
- लगभग 3.7 अरब साल पहले एक प्राचीन चुंबकीय क्षेत्र बरकरार रखा था, जिसका अनुमान कम से कम 15 माइक्रोटेस्ला था।
- आज, पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र लगभग 30 माइक्रोटेस्ला मापता है।

फैशन में उड़ान (28 अप्रैल) (GS PAPER III: बेसिक साइंस)

- गणितज्ञों ने पहले से अज्ञात वायुगतिकीय अंतःक्रियाओं की खोज की है जो बताती हैं कि पक्षी समन्वित संरचनाओं में सहजता से कैसे उड़ते हैं।
- पड़ोसी पक्षियों के बीच प्रवाह-मध्यस्थ अंतःक्रियाएं वसंत जैसी शक्तियों की तरह काम करती हैं, जो प्रत्येक पक्षी को संरचना के भीतर अपनी जगह पर रखती हैं।

- हालाँकि, ये "स्प्रिंग्स" केवल एक ही दिशा में कार्य करते हैं, जिससे गैर-पारस्परिक अंतःक्रियाएँ होती हैं जहाँ बाद में पक्षी बेतहाशा दोलन करते हैं।
- पक्षी संरचनाओं की नकल करने के लिए, शोधकर्ताओं ने पक्षी के पंखों से मिलते-जुलते यंत्रिकृत फ़्लैपर बनाए, जो प्लास्टिक से 3डी-प्रिंटेड थे और पानी में फ़्लैप करने के लिए मोटर द्वारा संचालित थे।
- यह "नकली झुंड" पानी के माध्यम से चलता था और पक्षी संरचनाओं के समान स्वतंत्र रूप से खुद को एक पंक्ति या कतार में व्यवस्थित कर सकता था।
- पानी के प्रवाह ने समूह के आकार के आधार पर समूह संगठन को अलग-अलग तरीके से प्रभावित किया, जिससे इस बात की अंतर्दृष्टि का पता चला कि पक्षी उड़ान के दौरान अपनी संरचना कैसे बनाए रखते हैं।

हैंगर श्रेणी की उन्नत पनडुब्बियां (28 अप्रैल) (GS PAPER II: भारत और उसके पड़ोसी)

पृष्ठभूमि

- **रणनीतिक साझेदारी:** हैंगर श्रेणी की पनडुब्बियां पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- **आधुनिकीकरण अभियान:** पनडुब्बियों का उद्देश्य पाकिस्तान नौसेना की क्षमताओं को मजबूत करना और क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण को संबोधित करना है।



प्रौद्योगिकी हस्तांतरण: इस परियोजना में चीन में चार और पाकिस्तान में चार (कराची शिपयार्ड और इंजीनियरिंग वर्क्स - केएस एंड ईडब्ल्यू) पनडुब्बियों का निर्माण शामिल है, जिससे प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की सुविधा मिलेगी।

हैंगरक्लास पनडुब्बी

- **प्रकार:** डीज़ल-इलेक्ट्रिक आक्रमण पनडुब्बियाँ
- **आधारित:** चीनी टाइप 039A/041 युआन श्रेणी की पनडुब्बी
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
 - उन्नत गुप्त क्षमताएं
 - उन्नत सेंसर और हथियार प्रणालियाँ
 - वायु-स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) - विस्तारित पानी के नीचे संचालन के लिए
- **उद्देश्य:** विभिन्न भूमिकाओं के लिए उपयोग किया जा सकता है, जिनमें शामिल हैं:
 - सतह रोधी और पनडुब्बी रोधी युद्ध
 - खुफिया जानकारी एकत्र करना और निगरानी करना
 - समुद्री सुरक्षा संचालन

परियोजना समय

- **समझौते पर हस्ताक्षर:** 2015 में
- **पहला प्रक्षेपण:** पहली पनडुब्बी दिसंबर 2022 में चीन में लॉन्च की गई।
- **अपेक्षित डिलीवरी:** सभी आठ पनडुब्बियों को अगले कुछ वर्षों में पाकिस्तानी नौसेना में शामिल किए जाने का अनुमान है।

महत्व

- **नौसेना संतुलन:** हैंगर श्रेणी की पनडुब्बियों से पाकिस्तान की नौसैनिक शक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होने और संभावित रूप से क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन में बदलाव आने की उम्मीद है।
- **चीन-पाकिस्तान संबंध:** यह परियोजना पाकिस्तान और चीन के बीच घनिष्ठ रक्षा संबंधों को मजबूत करती है।

- हैंगर श्रेणी की पनडुब्बियों में से पहली का निर्माण शुरू कर दिया है, यह एक ऐसा कदम है जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ाता है।
- लॉन्च समारोह वुचांग शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री ग्रुप (डब्ल्यूएसआईजी) शुआंगलिउ बेस पर हुआ और इसमें पाकिस्तान नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ने भाग लिया।
- यह पहल इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच एक समझौते का हिस्सा है, जिसमें चीन पाकिस्तान को आठ उन्नत पनडुब्बियां प्रदान करने पर सहमत हुआ है।
- चार पनडुब्बियों का निर्माण डब्ल्यूएसआईजी द्वारा किया जाएगा, जबकि शेष चार का निर्माण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) समझौते के तहत केएस एंड ईडब्ल्यू (कराची शिपयार्ड एंड इंजीनियरिंग वर्क्स) में किया जाएगा।
- पनडुब्बियों में उन्नत स्टील्थ क्षमताएं होंगी और वे बहु-खतरे वाले वातावरण में प्रभावी ढंग से काम करने और लंबी दूरी पर लक्ष्य को भेदने के लिए अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस होंगी।
- एडमिरल अशरफ ने वर्तमान भू-रणनीतिक संदर्भ में समुद्री सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए नौसेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हैंगर-क्लास एस/एम परियोजना पाकिस्तान और चीन के बीच स्थायी दोस्ती को मजबूत करेगी, जो दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य सहयोग को प्रदर्शित करेगी।
- इस साल की शुरुआत में फरवरी में केएस एंड ईडब्ल्यू में छठी हैंगर श्रेणी की पनडुब्बी का निर्माण शुरू करने के बाद हुआ है।

भीषण बाढ़ के कारण चीन में लू चली (28 अप्रैल)

- 40 वर्षों से अधिक के वायुमंडलीय डेटा के विश्लेषण से चीन में अत्यधिक गर्मी और पाकिस्तान में बाढ़ के बीच संबंध का पता चलता है।
- इस संबंध को एशियाई ग्रीष्मकालीन मानसून प्रणाली से जुड़े ऊपरी क्षोभमंडलीय मार्ग के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।
- यह मार्ग मानसून प्रणाली के भीतर आंतरिक परिवर्तनशीलता के कारण उभरता है और समुद्र की सतह के तापमान पैटर्न से स्वतंत्र रूप से संचालित होता है।
- 2022 की गर्मियों में पाकिस्तान को विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ा।
- इसके बाद, चीन ने लंबे समय तक गर्मी की लहरों और गंभीर सूखे का अनुभव किया।

विविधता कनाडा के शुष्क क्षेत्रों को सूखा सहने में मदद कर सकती है (28 अप्रैल)

- एक नया अध्ययन कनाडा में शुष्क भूमि वन पारिस्थितिकी तंत्र उत्पादकता पर कार्यात्मक पौधों के लक्षणों के प्रभाव का पता लगाता है।
- शोध में 57 वर्षों का डेटा शामिल है और संकेत मिलता है कि अधिक कार्यात्मक पौधों की विविधता उत्पादकता को बढ़ाती है।
- अधिक कार्यात्मक पौधों की विविधता वाले शुष्क भूमि बायोम तीव्र सूखे के दौरान भी मोनोकल्चर समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
- कार्यात्मक विविधता दीर्घकालिक पारिस्थितिकी तंत्र के लचीलेपन में योगदान करती है।
- कनाडा के शुष्क क्षेत्र अपने अच्छी तरह से संरक्षित वन पारिस्थितिकी तंत्र के कारण इन प्रभावों का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं।

डेंगू निगरानी से पता चला (28 अप्रैल)

- एक नया अध्ययन कनाडा में शुष्क भूमि वन पारिस्थितिकी तंत्र उत्पादकता पर कार्यात्मक पौधों के लक्षणों के प्रभाव का पता लगाता है।
- शोध में 57 वर्षों का डेटा शामिल है और संकेत मिलता है कि अधिक कार्यात्मक पौधों की विविधता उत्पादकता को बढ़ाती है।
- अधिक कार्यात्मक पौधों की विविधता वाले शुष्क भूमि बायोम तीव्र सूखे के दौरान भी मोनोकल्चर समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
- कार्यात्मक विविधता दीर्घकालिक पारिस्थितिकी तंत्र के लचीलेपन में योगदान करती है।
- कनाडा के शुष्क क्षेत्र अपने अच्छी तरह से संरक्षित वन पारिस्थितिकी तंत्र के कारण इन प्रभावों का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं।

नारियल के अनेक फायदे (28 अप्रैल)

- नारियल का पेड़ मालेशिया क्षेत्र का मूल निवासी है, जिसमें दक्षिण पूर्व एशिया, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यू गिनी और प्रशांत द्वीप समूह शामिल हैं।
- उमा आहूजा एट अल द्वारा 2014 का एक पेपर। एशियन एग्री-हिस्ट्री जर्नल में पुरातात्विक, पुरालेख और ऐतिहासिक अभिलेखों के माध्यम से नारियल के ताड़ के इतिहास, उपयोग और लोककथाओं पर प्रकाश डाला गया है।
- नारियल भारत में पुरातात्विक खुदाई और शिलालेखों में पाया गया है, जो धार्मिक, कृषि और आयुर्वेदिक महत्व के ग्रंथों में शामिल है।
- नारियल के पेड़ को इसके अनेक उपयोगों के लिए जाना जाता है, जिससे इसे जीवन का वृक्ष, प्रचुरता का वृक्ष और कल्पवृक्ष (जीवन की सभी आवश्यकताएं प्रदान करने वाला) जैसी उपाधियाँ प्राप्त होती हैं। यह भोजन, स्वास्थ्य, औषधीय और कॉस्मेटिक लाभ प्रदान करता है।
- भारत में, नारियल की खेती मुख्य रूप से दक्षिणी राज्यों में केंद्रित है: केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश, जो गर्म, रेतीली, अच्छी जल निकासी वाली और पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी, गर्म और आर्द्र जलवायु और प्रचुर वर्षा प्रदान करते हैं। नारियल के पेड़ों के लिए आदर्श।
- अलग-अलग मौसमों और असमान वर्षा के साथ उत्तर भारत की मुख्य रूप से समशीतोष्ण जलवायु नारियल के विकास के लिए कम अनुकूल है। हालाँकि, उपयुक्त तापमान और वर्षा वाले कुछ पूर्वोत्तर राज्य भी नारियल का उत्पादन करते हैं, भले ही चिकनी मिट्टी के कारण इसमें बाधा आती है।

- नारियल भारत में एक महत्वपूर्ण धार्मिक और औपचारिक महत्व रखता है, इसका उपयोग देवताओं को प्रसाद और विभिन्न सामाजिक समारोहों में किया जाता है, यहां तक कि उन क्षेत्रों में भी जहां इसकी खेती नहीं होती है।
- नारियल के पेड़ के प्रत्येक भाग का उपयोग किया जाता है, कोई अपशिष्ट नहीं छोड़ा जाता है, जो इसकी बहुमुखी प्रतिभा और उपयोगिता को प्रदर्शित करता है।
- नारियल अपने बहुमुखी उपयोग के कारण विभिन्न समुदायों के सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक और भाषाई ताने-बाने में गहराई से एकीकृत हो गया है।
- दक्षिण भारत में, नारियल दैनिक जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, नारियल के ताड़ के पेड़ मंदिर की सजावट में सुशोभित होते हैं, देवताओं को साबुत मेवे चढ़ाए जाते हैं, और भक्तों को नारियल के पानी के साथ 'प्रसादम' के रूप में नारियल प्राप्त होता है।
- नारियल पानी को इसकी ताजगी और स्वास्थ्य लाभों के लिए अत्यधिक महत्व दिया जाता है, जिसे अक्सर अमृत माना जाता है।
- नारियल के मांस से बनी 'कोझुकताई' या 'मोदक' जैसी पारंपरिक मिठाइयाँ विशेष महत्व रखती हैं, खासकर गणेश चतुर्थी जैसे धार्मिक त्योहारों के दौरान।
- नारियल का तेल आमतौर पर दक्षिण भारतीय घरों में तेल स्नान और खाना पकाने के लिए उपयोग किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसके विभिन्न स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें पाचन में सहायता करना, नियमित मल त्याग को बढ़ावा देना और संभावित रूप से हृदय स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाना और अल्जाइमर रोग में देरी करना शामिल है।
- कुछ लोग अपने दैनिक भोजन में मक्खन के विकल्प के रूप में नारियल तेल का उपयोग करते हैं, जो इसकी बहुमुखी प्रतिभा और व्यापक उपयोग को दर्शाता है।
- लेखक, व्यक्तिगत अनुभव पर विचार करते हुए, साझा करते हैं कि कैसे उनकी दादी ने स्वास्थ्य लाभ के लिए नारियल तेल के उपयोग को प्रोत्साहित किया, एक अभ्यास जो वे एक वरिष्ठ नागरिक के रूप में जारी रखते हैं।

क्या नए बीमा नियमों से वरिष्ठ नागरिकों को मदद मिलेगी? | समझाया (28 अप्रैल) (GS PAPER II: समाज का कमजोर वर्ग)

नए स्वास्थ्य कवर का लाभ उठाने के लिए ऊपरी आयु सीमा में क्या बदलाव हुआ है? भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए उत्पाद डिजाइन करने के बारे में क्या कहा है? क्या सभी प्रकार की मौजूदा चिकित्सीय शर्तें स्वीकार की जाएंगी?

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के बारे में

IRDAI भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में एक वैधानिक निकाय है। यह भारत में बीमा उद्योग के व्यवस्थित विकास को विनियमित करने और बढ़ावा देने के लिए शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करता है।

- **स्थापित:** 1999 में **बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999** के तहत स्थापित।
- **मुख्यालय:** हैदराबाद, तेलंगाना।

IRDAI का मिशन

- पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करना।

- भारत में बीमा और पुनर्बीमा व्यवसाय को विनियमित करना, बढ़ावा देना और व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करना।

मुख्य भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ

- बीमा कंपनियों को लाइसेंस जारी करना।
- बीमा उत्पादों, प्रीमियम दरों और नियमों और शर्तों को विनियमित करके पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करना।
- बीमा कंपनियों के लिए सॉल्वेंसी मानक निर्धारित करना।
- बीमा कंपनियों के बीच निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना।
- बीमा मध्यस्थों और एजेंटों को विनियमित करना।
- बीमा उत्पादों और सेवाओं के बारे में उपभोक्ता जागरूकता को बढ़ावा देना।
- बीमा कंपनियों से संबंधित पॉलिसीधारक की शिकायतों का समाधान करना।

आईआरडीएआई की संरचना

IRDAI एक दस सदस्यीय निकाय है जिसमें शामिल हैं:

- एक अध्यक्ष
- पाँच पूर्णकालिक सदस्य
- चार अंशकालिक सदस्य

इन सदस्यों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है।

- भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने 1 अप्रैल से बीमा उत्पाद विनियम, 2024 लागू किया।
- **बीमा क्षेत्र को बढ़ाने के लिए** IRDAI द्वारा शुरू किए गए व्यापक सुधारों का हिस्सा हैं।
- नए मानदंड **जीवन बीमा, सामान्य बीमा और स्वास्थ्य बीमा के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करते हैं।**
- इन विनियमों में महत्वपूर्ण रुचि है, विशेष रूप से **नई स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी प्राप्त करने के लिए ऊपरी आयु सीमा में प्रत्याशित परिवर्तन के संबंध में।**

नए नियम क्या संबोधित करते हैं?

- नए बीमा उत्पाद विनियम, 2024 का उद्देश्य बीमाकर्ताओं को बदलती बाज़ार आवश्यकताओं के प्रति अधिक तेज़ी से प्रतिक्रिया करने में सक्षम बनाना है।
- **पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करते हुए व्यापार करने में आसानी में सुधार और बीमा पहुंच बढ़ाने का भी प्रयास करते हैं।**
- पॉलिसीधारक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीमाकर्ताओं के बीच अपने उत्पादों को डिजाइन करने और मूल्य निर्धारण करने में सुशासन प्रथाओं को प्रोत्साहित किया जाता है।
- स्वास्थ्य बीमा में, **नियम "विशिश्ट प्रतीक्षा अवधि" को चार साल से घटाकर तीन साल कर देते हैं।**
- इसका मतलब है कि दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप होने वाली बीमारियों को छोड़कर, निर्दिष्ट बीमारियों या उपचारों के लिए बीमा कवरेज के लिए कम प्रतीक्षा समय।
- प्रतीक्षा अवधि के बाद, पॉलिसी को बिना किसी रुकावट के नवीनीकृत करने पर बीमारियों या उपचारों को कवर किया जाएगा।
- पहले से मौजूद बीमारी की परिभाषा में अब पॉलिसी शुरू होने से तीन साल के भीतर चिकित्सक द्वारा निदान या इलाज की गई कोई भी स्वास्थ्य स्थिति शामिल है।
- नए नियमों में आयुष (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी प्रणाली) उपचार कवरेज पर जोर दिया गया है।

- बीमाकर्ताओं को अन्य उपचार विकल्पों के समान आयुष उपचार के लिए कवरेज प्रदान करना अनिवार्य है।
- पिछले विनियमन ने बीमाकर्ताओं को प्राधिकरण द्वारा निर्दिष्ट कुछ शर्तों के तहत आयुष उपचार के लिए कवरेज प्रदान करने की अनुमति दी थी।
- बीमाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे विशिष्ट लाभ-आधारित पॉलिसियों को छोड़कर, केवल पिछले दावों के आधार पर स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के नवीनीकरण से इनकार न करें।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए कौन से परिवर्तन प्रासंगिक हैं?

- आईआरडीएआई के '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य के अनुरूप बीमा कवरेज का विस्तार करना है।
- पहले, स्वास्थ्य बीमा विनियम, 2016 में कहा गया था कि स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों में कम से कम 65 वर्ष की आयु तक प्रवेश की अनुमति होनी चाहिए।
- इसका मतलब यह है कि बीमाकर्ता 65 वर्ष की आयु तक के व्यक्तियों को कवरेज देने से इनकार नहीं कर सकते।
- इस विनियमन के बावजूद, कुछ बीमाकर्ताओं ने पहले से ही 99 वर्ष तक की प्रवेश आयु वाली पॉलिसियों की पेशकश की है।
- नए नियमों के तहत बीमाकर्ताओं को वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा दावों और शिकायतों के समाधान के लिए एक अलग चैनल स्थापित करने की आवश्यकता है।
- इस कदम का उद्देश्य बुजुर्ग पॉलिसीधारकों के लिए बेहतर सेवा और सहायता सुनिश्चित करना है।

नए नियमों पर बीमा कंपनियों की क्या प्रतिक्रिया होने की संभावना है?

- बीमा कवरेज बढ़ाने की दिशा में आईआरडीएआई का दबाव बीमाकर्ताओं को 65 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिए नए उत्पादों पर विचार करने के लिए प्रेरित कर रहा है।
- कई बीमाकर्ता प्रतीक्षा करेंगे और देखो का दृष्टिकोण अपना रहे हैं, जबकि कुछ इस जनसांख्यिकीय के अनुरूप नए उत्पाद विकसित करना शुरू कर सकते हैं।
- उद्योग के अधिकारियों का अनुमान है कि बीमाकर्ता धीरे-धीरे स्वास्थ्य बीमा के लिए अधिकतम प्रवेश आयु 99 वर्ष कर देंगे।
- पहले, कोई स्पष्ट आयु प्रतिबंध नहीं था, लेकिन स्वास्थ्य बीमा उत्पादों में न्यूनतम और अधिकतम प्रवेश आयु थी।
- पहले के नियमों के अनुसार अधिकतम प्रवेश आयु कम से कम 65 वर्ष होनी आवश्यक थी, लेकिन अब यह प्रावधान हटा दिया गया है।
- बीमाकर्ताओं के पास अब स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के लिए अपनी न्यूनतम और अधिकतम प्रवेश आयु निर्धारित करने की सुविधा है।

परिवर्तन कितने महत्वपूर्ण हैं?

- वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की वहनीयता महत्वपूर्ण है, खासकर जब उन्हें कवरेज की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।
- IRDAI स्वास्थ्य बीमा उत्पादों के मूल्य निर्धारण में हस्तक्षेप नहीं करता है लेकिन प्रीमियम भुगतान और प्रोत्साहन के संबंध में नए नियम पेश किए हैं।

- नए नियमों के अनुसार, पॉलिसी अवधि के लिए प्रीमियम अपरिवर्तित रहेगा, और बीमाकर्ता किस्तों में प्रीमियम भुगतान और शीघ्र प्रवेश के लिए प्रोत्साहन, निरंतर नवीनीकरण और अनुकूल दावा अनुभव जैसी सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं।
- स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस उन कुछ कंपनियों में से एक है जो प्रवेश के समय 65 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान करती है, जो व्यापक कवरेज के लिए जल्दी पॉलिसी खरीदने के महत्व पर जोर देती है।
- स्वास्थ्य बीमा जल्दी खरीदने से व्यापक कवरेज मिलता है और प्रीमियम में वृद्धि के बिना पॉलिसी नवीनीकरण की गारंटी मिलती है, भले ही बीमारियाँ बाद में विकसित हों।
- स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियां ग्राहकों की भुगतान क्षमता को समायोजित करने के लिए अलग-अलग सुविधाओं के साथ मॉड्यूलर बन रही हैं, और युवाओं में स्वास्थ्य कवर खरीदने से प्रतीक्षा अवधि कम हो जाती है।
- नियमों में बदलाव से बीमाकर्ताओं को बीमारी की घटनाओं और चिकित्सा मुद्रास्फीति जैसे कारकों के आधार पर बेहतर सुविधाओं और सामर्थ्य की पेशकश करने की क्षमता के साथ विभिन्न जनसांख्यिकीय क्षेत्रों के लिए उत्पाद विकसित करने में लचीलापन मिलता है।

कोई उम्मीदवार कब निर्विरोध चुना जाता है?

व्याख्या (28 अप्रैल) (GS PAPER II: चुनावी प्रणाली)

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत क्या है नियम? सूरत लोकसभा क्षेत्र में क्या हुआ? सुप्रीम कोर्ट ने उन निर्वाचन क्षेत्रों में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग करने वाली याचिकाकर्ता की याचिका पर चुनाव आयोग से क्या पूछा है, जहां नोटा वोट बहुमत में है?

- 22 अप्रैल को, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा चुनाव में अपनी पहली सीट जीती।
- गुजरात की सूरत सीट से बीजेपी उम्मीदवार मुकेश दलाल ने जीत हासिल की।
- उनकी जीत पिछले दिन कांग्रेस उम्मीदवारों, मुख्य और स्थानापन्न दोनों उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खारिज होने के परिणामस्वरूप हुई।
- इसके अतिरिक्त, अन्य प्रत्याशियों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली।
- कोई विरोध न रहने पर मुकेश दलाल को निर्विरोध चुना गया।
- परिणामस्वरूप, सूरत शहर, जो कि गुजरात का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, में 7 मई को चुनाव नहीं होंगे।

मतदान से पहले किसी उम्मीदवार को निर्वाचित कैसे घोषित किया जाता है?

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 53(3) निर्विरोध निर्वाचन से संबंधित है।
- यदि उम्मीदवारों की संख्या भरी जाने वाली सीटों की संख्या से कम है, तो रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) को सभी उम्मीदवारों को निर्वाचित घोषित करना होगा।
- अधिनियम की धारा 33 नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया और वैध नामांकन के लिए आवश्यकताओं की रूपरेखा बताती है।
- धारा 33 की उपधारा 4 में कहा गया है कि आरओ को यह सत्यापित करना होगा कि नामांकन पत्र पर दिए गए विवरण मतदाता सूची से मेल खाते हैं।
- नीलेश कुंभानी के मामले में, तीन प्रस्तावकों ने दावा किया कि उन्होंने उनके नामांकन फॉर्म पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) की भूमिका

- जिला स्तर पर स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचारू चुनाव कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी महत्वपूर्ण हैं।
- **नियुक्तकर्ता:** भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा संबंधित राज्य सरकार के परामर्श से।
- डीईओ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) रैंक के वरिष्ठ अधिकारी होते हैं, जो आमतौर पर जिला मजिस्ट्रेट या जिला कलेक्टर होते हैं।

प्राथमिक जिम्मेदारियाँ

- अपने जिले में सभी चुनाव-संबंधी गतिविधियों की देखरेख करना
- सटीक और अद्यतन मतदाता सूचियाँ सुनिश्चित करना
- **मतदान केंद्र:** मतदान केंद्रों की पहचान, स्थापना और प्रबंधन
- **इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम):** ईवीएम की खरीद, सुरक्षित भंडारण, तैयारी और तैनाती
- **कार्मिक प्रबंधन:** मतदान कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रशिक्षण और देखरेख
- **आदर्श आचार संहिता:** चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता को लागू करना और लागू करना
- **सुरक्षा:** मतदान के दौरान सुरक्षा के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करना
- **समन्वय:** विभिन्न सरकारी विभागों, चुनाव पर्यवेक्षकों और राजनीतिक दलों के साथ काम करना
- **चुनाव के बाद** वोटों की गिनती और उनके जिले के परिणामों की घोषणा

- वे उम्मीदवार के नामांकन फॉर्म का समर्थन करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) के समक्ष उपस्थित नहीं हुए।
- अगस्त 2023 में चुनाव आयोग द्वारा जारी रिटर्निंग ऑफिसर्स के लिए हैंडबुक (संस्करण 2) में उल्लेख किया गया है कि जिन निर्वाचन क्षेत्रों में केवल एक ही उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है, उस उम्मीदवार को नाम वापसी की समय सीमा के तुरंत बाद निर्वाचित घोषित किया जाना चाहिए।
- ऐसे मामलों में जनमत संग्रह आवश्यक नहीं है।
- आपराधिक पृष्ठभूमि वाले निर्विरोध लौटे उम्मीदवारों को निर्धारित प्रारूप और समय-सीमा के अनुसार विवरण प्रचारित करना होगा।

चुनाव प्रणाली में नकारात्मक मतदान की क्या गुंजाइश है?

- सिस्टम नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) और नियम 49-ओ दोनों विकल्पों की अनुमति देता है।
- चुनाव संचालन नियम, 1961 का नियम 49-ओ, मतदाताओं को वोट न देने का निर्णय लेने की अनुमति देता है, उनका निर्णय पीठासीन अधिकारी द्वारा मतदाताओं के रजिस्टर के टिप्पणी कॉलम में दर्ज किया जाता है।
- **पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज की एक याचिका के जवाब में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नवंबर 2013 में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर नोटा की शुरुआत की गई थी।**
- नोटा मतदाताओं को अपनी गोपनीयता की रक्षा करते हुए उम्मीदवारों के प्रति अस्वीकृति व्यक्त करने का अधिकार देता है।
- **रिटर्निंग ऑफिसर्स (आरओ)** के लिए हैंडबुक के अनुसार, सुरक्षा जमा की वापसी के लिए डाले गए कुल वैध वोटों की गणना के लिए नोटा वोटों पर विचार नहीं किया जाता है।
- चुनाव आयोग (EC) का कहना है कि NОTА को छोड़कर, सबसे अधिक वोट पाने वाले उम्मीदवार को अभी भी विजेता घोषित किया जाएगा।
- महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों के चुनावों में, नोटा को एक काल्पनिक उम्मीदवार के रूप में माना जाता है, और यदि नोटा को सबसे अधिक वोट मिलते हैं, तो आयोग पुनर्मतदान कराता है।

नोटा के बाद क्या हुआ घटनाक्रम?

- ऐसे उदाहरण हैं जहां नोटा वोट राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त वोटों से अधिक हो गए हैं।
- कुछ कार्यकर्ता और संवैधानिक विशेषज्ञ नोटा को अप्रभावी बताते हुए इसकी आलोचना करते हैं और इसे "दंतहीन बाघ" की संज्ञा देते हैं क्योंकि यह चुनाव परिणामों को प्रभावित नहीं करता है।
- **नोटा को पिछले पांच वर्षों में राज्य विधानसभा और लोकसभा चुनावों में संयुक्त रूप से 1.29 करोड़ से अधिक वोट मिले।**
- 26 अप्रैल को, सुप्रीम कोर्ट ने लेखक शिव खेड़ा की एक याचिका का जवाब दिया, जिसमें **चुनाव आयोग (ईसी) से उन निर्वाचन क्षेत्रों में नए सिरे से चुनाव कराने के अनुरोध पर जवाब देने को कहा गया, जहां नोटा वोट बहुमत में थे।**
- याचिकाकर्ता ने सुझाव दिया कि **नोटा से कम वोट पाने वाले उम्मीदवारों को पांच साल के लिए चुनाव लड़ने से रोक दिया जाना चाहिए, उन्होंने अदालत से चुनाव आयोग को ऐसे नियम बनाने का निर्देश देने का आग्रह किया।**

प्रश्न: भारतीय संसद और राज्य विधान सभा के चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार प्रशासनिक मशीनरी का वर्णन करें। (250 शब्द/15 अंक)

उत्तर दृष्टिकोण:

- उन कानूनों का परिचय दें जो चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार प्रशासनिक मशीनरी का प्रावधान करते हैं।
- इनमें से प्रत्येक अधिकारी/प्राधिकरण की नियुक्ति और कार्यों का संक्षिप्त विवरण दें।
- तदनुसार निष्कर्ष निकालें।

उत्तर:

भाग IV में चुनाव आयोग के कार्यों के प्रत्यायोजन का प्रावधान है अर्थात् संविधान, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत चुनाव आयोग के कार्य भी किए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के निर्देशों के आधार पर उप चुनाव आयुक्त या चुनाव आयोग के सचिव द्वारा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी

- राज्य सरकार/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के परामर्श से चुनाव आयोग द्वारा नामांकित या नामित।
- चुनाव आयोग के समग्र पर्यवेक्षण के तहत राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कार्य की निगरानी के लिए अधिकृत।

जिला निर्वाचन अधिकारी

- राज्य सरकार के परामर्श से चुनाव आयोग द्वारा नामांकित।
- मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश के अधीन, जिले या अधिकार क्षेत्र के भीतर चुनाव कार्य का समन्वय और पर्यवेक्षण करने के लिए अधिकृत।
- मतदान केंद्र उपलब्ध कराने, सूचियां प्रकाशित करने और अन्य चुनाव संबंधी कार्यों के लिए जिम्मेदार।

देखने वाला

- किसी निर्वाचन क्षेत्र या निर्वाचन क्षेत्रों के समूह में चुनाव संचालन की निगरानी के लिए चुनाव आयोग द्वारा नामित।
- सीधे चुनाव आयोग को रिपोर्ट करता है।
- बूथ कैप्चरिंग का संदेह होने पर मतगणना रोकने का निर्देश देने का अधिकार।

रिटर्निंग अधिकारी

- राज्य सरकार/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के परामर्श से चुनाव आयोग द्वारा नामांकित या नामित।
- प्रत्येक विधानसभा और संसदीय क्षेत्र के लिए जिम्मेदार।
- चुनाव कार्यों में सहायता के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति कर सकता है।
- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार चुनाव कराने के लिए आवश्यक कार्य करता है।

पीठासीन अधिकारी

- प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नियुक्त किये गये।
- व्यवस्था बनाए रखने और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार।

मतदान अधिकारी

- पीठासीन अधिकारी की सहायता करता है और निर्देशानुसार कार्य करता है।
- बीमारी या अन्य कारणों से अनुपस्थिति की स्थिति में पीठासीन अधिकारी के कार्यों को संभालना।

चुनाव संचालन में शामिल अधिकारियों को चुनाव अवधि के दौरान चुनाव आयोग में प्रतिनियुक्ति पर माना जाता है और वे इसके नियंत्रण, अधीक्षण और अनुशासन के अधीन होते हैं।

चरम जलवायु घटनाएं एशिया को कैसे प्रभावित करती हैं?

(28 अप्रैल) (GS PAPER III: पर्यावरण, आपदा प्रबंधन)

2023 की 'एशिया में जलवायु की स्थिति' रिपोर्ट क्या कहती है? भारत के लिए इसका क्या मतलब है?

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 2023 रिपोर्ट, 'एशिया में जलवायु की स्थिति', इस बात पर प्रकाश डाला गया कि 1960 के बाद से वैश्विक औसत की तुलना में एशिया में तेजी से तापमान वृद्धि हुई है।
- 2023 को विश्व भर में सबसे गर्म वर्ष के रूप में चिन्हित किया गया।
- रिपोर्ट में जलवायु पूर्वानुमानों और जलवायु परिवर्तन तथा इसके परिणामों से निपटने तथा अनुकूलन करने की एशियाई देशों की क्षमता के बीच "खतरनाक अंतर" पर जोर दिया गया है।

एशिया पर गर्मी का क्या असर हुआ?

- 2023 में, एशिया में चरम जलवायु घटनाओं के कारण 2,000 से अधिक लोगों की जान चली गई, जबकि नौ मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हुए।
- इनमें से 80% से अधिक घटनाओं का कारण तूफान और बाढ़ थे।
- रिपोर्ट में विभिन्न क्षेत्रों में भीषण गर्मी की लहरों पर भी प्रकाश डाला गया, जिससे कई मौतें हुईं।
- भारत में अप्रैल और जून में भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 110 मौतें हुईं।
- अप्रैल और मई में लंबे समय तक चलने वाली गर्मी की लहर ने दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बड़े हिस्से को प्रभावित किया, जिससे बांग्लादेश और पूर्वी भारत से लेकर दक्षिणी चीन तक के क्षेत्र प्रभावित हुए।

बाढ़ और तूफान ने एशिया को कैसे प्रभावित किया?

- मई 2023 में उष्णकटिबंधीय चक्रवात मोचा ने म्यांमार और बांग्लादेश पर हमला किया।
- इसे पिछले दशक में बंगाल की खाड़ी में आए सबसे शक्तिशाली चक्रवात के रूप में पहचाना गया।
- चक्रवात के बाद जून और जुलाई 2023 में भारत, पाकिस्तान और नेपाल में बाढ़, भूस्खलन और बिजली गिरने की घटनाएं हुईं।
- इन घटनाओं के कारण लगभग 600 लोगों की जान चली गयी।
- अगस्त 2023 में भारत के हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई।

- पूरे वर्ष में भारत भर में बिजली गिरने से लगभग 1,200 लोगों की मृत्यु हुई।

एशिया आने वाली आपदा को कितनी अच्छी तरह पहचान सकता है?

- एक **पूर्व चेतावनी प्रणाली** एक व्यापक प्रक्रिया है जो खतरों की निगरानी, पूर्वानुमान और पूर्वानुमान करती है।
- जोखिम मूल्यांकन, संचार और तैयारियों से संबंधित गतिविधियाँ शामिल हैं।
- ये प्रणालियाँ व्यक्तियों, समुदायों, सरकारों और व्यवसायों को जोखिमों को कम करने के लिए समय पर कार्रवाई करने की अनुमति देती हैं।
- उदाहरण के लिए, बांग्लादेश में अधिकारियों को चक्रवात मोचा की तैयारी के लिए एक दिन का नोटिस दिया गया था, जिससे वे **कॉक्स बाजार में अग्रिम कार्रवाई करने में सक्षम हो गए**। और स्थानीय समुदायों के बीच जीवित रहने की दर में सुधार करना।
- इक्कीस एशियाई देशों ने संयुक्त राष्ट्र को अपनी प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों की स्थिति की सूचना दी।
- **आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय** के अनुसार :
 - एशिया में बहु-खतरा प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों की उपलब्धता और पहुंच के लिए औसत समग्र स्कोर **1 में से 0.46** था।
 - प्रतिक्रिया देने की तैयारी का **औसत स्कोर 0.58** रहा।
 - अवलोकन और पूर्वानुमान ने **औसतन 0.50 अंक प्राप्त किये**।
- इसकी तुलना में, विश्व ने इन मामलों में क्रमशः **0.35, 0.78, और 0.33 अंक प्राप्त किये**।
- चेतावनी और प्रसार एशिया के लिए ढांचे के तहत सबसे मजबूत क्षेत्र के रूप में उभरा, जबकि जोखिम ज्ञान सबसे कमजोर था।
- रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि सभी एशियाई देशों में से आधे से भी कम के पास जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को **कम करने के लिए आवश्यक उपकरण हैं**।

भारत के लिए इन निष्कर्षों का क्या मतलब है ?

- भारत सहित वैश्विक स्तर पर चरम जलवायु घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन बेहतर तैयारी से नुकसान को कम किया जा सकता है।
- बंगाल की खाड़ी में आए सबसे शक्तिशाली चक्रवातों में से एक, **चक्रवात मोचा के दौरान प्रारंभिक चेतावनियों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया**।
- चक्रवातों के लिए भारत की प्रारंभिक तैयारियां मजबूत हैं, लेकिन बिजली गिरने से होने वाली मौतों और विनाश के बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता है।
- उन्होंने बिजली गिरने से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए।
- कुछ समूहों, जैसे खेतों में काम करने वाले किसानों को सूचना के स्रोतों से दूर होने के कारण समय पर अलर्ट नहीं मिल पाता।
- जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के लिए भारत की तैयारी अपर्याप्त है।
- जैसे उभरते खतरों पर **तत्काल ध्यान देने तथा नीतिगत सुधार की आवश्यकता है**।
- सिंह ने जलवायु संबंधी प्रतिकूलताओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए संसाधनों और नीतियों के साथ समुदायों को सशक्त बनाने के महत्व पर जोर दिया।

आग के घेरे में एक राष्ट्रपति (28 अप्रैल)

- 17 अप्रैल को, कोलंबिया विश्वविद्यालय के छात्रों ने विश्वविद्यालय के लॉन पर कब्जा करके और 'गाजा एकजुटता शिविर' बनाकर गाजा पर युद्ध के खिलाफ अपना विरोध तेज कर दिया।
- कोलंबिया विश्वविद्यालय की पहली महिला अध्यक्ष, नेमत 'मिनोचे' शाइक, एक साथ शिक्षा और कार्यबल पर अमेरिकी हाउस समिति के समक्ष कांग्रेस की सुनवाई में भाग ले रही थीं।
- शेख ने सुनवाई के दौरान परिसर में "यहूदी विरोधी" घटनाओं का मुकाबला करने के लिए विश्वविद्यालय की कार्य योजना के बारे में गवाही दी।
- उन्हें इस सवाल का सामना करना पड़ा कि क्या 'नदी से समुद्र तक, फ़िलिस्तीन आज़ाद होगा' या 'इतिफ़ादा लंबे समय तक जीवित रहे' जैसे वाक्यांश यहूदी विरोधी थे। उसने स्वीकार किया कि हालाँकि वे उसे यहूदी-विरोधी लगते थे, हो सकता है कि अन्य लोग उन्हें उस तरह से न देखें।
- शेख ने परिसर में यहूदी छात्रों के लिए भेदभाव और उत्पीड़न से मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के साथ मुक्त भाषण अधिकारों के बीच सामंजस्य स्थापित करने की चुनौती पर प्रकाश डाला।
- अपने इस्तीफे की मांग के बावजूद, शेख ने समिति को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय यहूदी छात्रों के लिए एक सुरक्षित स्थान बना रहेगा और नीति उल्लंघनकर्ताओं को परिणाम भुगतने होंगे।
- अगले दिन, शैक ने न्यूयॉर्क पुलिस विभाग से परिसर में प्रवेश करने और शांतिपूर्वक विरोध कर रहे छात्रों को गिरफ्तार करने का अनुरोध किया।
- बाद में 100 से अधिक छात्रों को NYPD द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।

बैरोनेस

- नेमत 'मिनोचे' शाइक का जन्म अलेक्जेंड्रिया, मिस्र में हुआ था और वह 1960 के दशक के मध्य में चार साल की उम्र में अपने परिवार के साथ अमेरिका चली गईं।
- उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) से मास्टर डिग्री और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डीफिल की उपाधि प्राप्त की।
- 36 साल की उम्र में, शेख वैश्विक विकास और विदेशी सहायता कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विश्व बैंक के सबसे कम उम्र के उपाध्यक्ष बने।
- बाद में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और यूके के अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग के साथ काम किया।
- 2014 में, शाइक बाजार और बैंकिंग पर इसके पहले डिप्टी गवर्नर के रूप में बैंक ऑफ इंग्लैंड में शामिल हुईं, जहाँ उन्होंने ब्रेक्सिट जनमत संग्रह के आसपास आकस्मिक योजना पर काम किया।
- शैक 'डीबीई' की उपाधि के साथ यूके हाउस ऑफ लॉर्ड्स की सदस्य हैं।
- शैक ने 2017 में एलएसई के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें पेंशन कटौती, वेतन में गिरावट और असुरक्षित अनुबंधों के विरोध में यूनिवर्सिटी और कॉलेज यूनियन (यूसीयू) के प्रतिनिधित्व वाले विश्वविद्यालय कर्मचारियों की हड़तालें शामिल थीं।
- शेख सहित विश्वविद्यालय प्रशासकों को हड़ताली संकाय का समर्थन करने के लिए और अधिक प्रयास नहीं करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा।
- शैक का वेतन £507,000 था, जबकि कुछ स्टाफ सदस्यों ने शोषण और असमानता का अनुभव किया।
- अपनी 2021 की पुस्तक, "व्हाट वी ओवे ईच अदर: ए न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट" में, शैक ने सामाजिक तनाव और असमानताओं को दूर करने के लिए एक नए सामाजिक अनुबंध की आवश्यकता पर चर्चा की है।
- जैसे-जैसे अमेरिका में परिसरों में तनाव बढ़ रहा है, ऐसे सुझाव हैं कि शेख को समाज के भीतर अपनी स्थिति पर विचार करना चाहिए और अपनी सलाह लेनी चाहिए।

कांच की छत को तोड़ना

- द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रोफेसर नईमा खातून को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की पहली महिला कुलपति नियुक्त किया गया है।
- अपनी नियुक्ति से पहले, खातून ने एएमयू महिला कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में कार्य किया।
- खातून को एक संतुलित टीम खिलाड़ी के रूप में वर्णित किया गया है जो जिम्मेदारी दूसरों को सौंपती है और उन्हें प्रगतिशील तथा विश्वविद्यालय के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध माना जाता है।
- चयन प्रक्रिया पर नजर रखने वालों के लिए उनकी नियुक्ति आश्चर्यजनक नहीं थी, क्योंकि एएमयू में एक महिला कुलपति की मांग थी, खासकर नईमा अख्तर के जामिया मिलिया इस्लामिया की कुलपति बनने के बाद।
- इस कदम को भाजपा सरकार की मुस्लिम महिलाओं तक पहुंच बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि खातून की नियुक्ति अलीगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली के समय हुई है।
- खातून ने अपने पति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज़ से कार्यभार संभाला, जो अप्रैल 2023 में नियमित नियुक्त तारिक मंसूर की सेवानिवृत्ति के बाद कुलपति के रूप में कार्य कर रहे थे।
- एएमयू के उल्लेखनीय पूर्व छात्रों के बावजूद, जिन्होंने आगे चलकर प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों का नेतृत्व किया, एक योग्य महिला को वीसी पद के लिए प्रस्तावित करने में 100 साल से अधिक का समय लग गया, संभवतः एएमयू के रीति-रिवाजों और आवासीय प्रकृति के कारण।
- महिला वीसी की अवधारणा अपेक्षाकृत नई है, जो अकादमिक क्षेत्र में पितृसत्ता की चुनौतियों को दर्शाती है।
- मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली खातून 1977 में एएमयू में शामिल हुईं और वहां उन्होंने मनोविज्ञान में पीएचडी पूरी की। उन्होंने एक व्याख्याता के रूप में कार्य किया और बाद में 2014 में महिला कॉलेज की प्रिंसिपल बनने से पहले उन्हें प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।

'जन्म से नेता'

- मुनीरा टी., जिन्होंने सुश्री खातून के साथ मिलकर काम किया है, उन्हें मनोविज्ञान की पृष्ठभूमि वाली एक टीम खिलाड़ी के रूप में वर्णित करती हैं, जो उन्हें प्रशासनिक समस्याओं को संवेदनशील तरीके से हल करने में सक्षम बनाती है।
- खातून, जो एक जन्मजात नेता के रूप में जानी जाती हैं, अपने कॉलेज के दिनों में एक छात्र संघ नेता थीं और विभिन्न प्रशासनिक पदों पर रहीं।
- हितधारकों को उम्मीद है कि खातून तदर्थवाद के मुद्दों को संबोधित करेंगी और आवासीय छात्रावासों से अनधिकृत तत्वों को हटा देंगी।
- उम्मीदों में छात्र संघ जैसी लोकतांत्रिक संस्थाओं को बहाल करना भी शामिल है।
- खातून को कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वीसी पद के लिए उनकी उम्मीदवारी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी क्योंकि उनके पति श्री गुलरेज़ उस समिति के प्रमुख थे जिसने उनका नाम शॉर्टलिस्ट किया था।
- श्री गुलरेज़ का कहना है कि विश्वविद्यालय के नियमों का पालन किया गया था और उन्होंने कहा कि उन्हें और खातून दोनों को स्वतंत्र संस्थाओं के रूप में देखा जाना चाहिए।
- पहले चयन प्रक्रिया की आलोचना करने वाले अलीगढ़ मुस्लिम टीचर्स एसोसिएशन (एएमयूटीए) ने अब खातून की नियुक्ति को स्वीकार कर लिया है और उम्मीद जताई है कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और निष्पक्ष होंगी।

भारत अपने पश्चिम एशिया संबंधों का विस्तार करने के लिए ओमान के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है (28 अप्रैल)

- भारत सरकार के दो अधिकारियों के अनुसार, भारत और ओमान जल्द ही एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं।
- यह कदम प्रमुख शिपिंग मार्गों के लिए जोखिम पैदा करने वाले बढ़ते तनाव के बीच पश्चिम एशिया में अपने संबंधों को मजबूत करने के भारत के प्रयासों का हिस्सा है।
- एक अधिकारी ने कहा कि व्यापार समझौते से भारत को रणनीतिक साझेदारी और अस्थिर क्षेत्र में महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों तक पहुंच प्रदान करके लाभ होगा।
- वर्तमान में भारत और ओमान के बीच वार्षिक व्यापार 13 अरब डॉलर से भी कम है।
- ओमान भारत के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है, जो वैश्विक तेल शिपमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण पारगमन बिंदु है।
- इजराइल, गाजा में हमास और यमन के हौथी उग्रवादियों के बीच हाल के संघर्षों ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है।
- व्यापार समझौते को भारत सरकार की मंजूरी का इंतजार है, तथा वर्तमान राष्ट्रीय चुनावों के परिणाम 4 जून को घोषित होने की उम्मीद है।
- अज्ञात अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरा कार्यकाल मिलने की संभावना है।
- भारत और ओमान के बीच व्यापार समझौते से संबंधित चर्चाएं गोपनीय रखी जाती हैं, इसलिए अधिकारियों ने नाम न बताने का अनुरोध किया।
- खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के साथ समझौता करने के प्रयास रुक गए हैं, जिसके कारण भारत को ओमान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे जीसीसी सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने पड़ रहे हैं।
- ओमान के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को भारत के लिए फायदेमंद माना जा रहा है, खासकर जब जीसीसी पाकिस्तान और चीन के साथ व्यापार वार्ता में संलग्न है।
- आभूषण, मोटर वाहन, चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग उत्पाद और कपड़ा जैसे विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हुए सालाना 3 बिलियन डॉलर मूल्य के भारतीय निर्यात पर शुल्क माफ करने पर सहमति व्यक्त की है।
- बदले में, भारत इन वस्तुओं के आयात पर सीमा लगाते हुए ओमान से कुछ पेट्रोकेमिकल्स, एल्यूमीनियम और तांबे पर टैरिफ कम करने पर सहमत हुआ है।

भारत, चीनी ताइपे ने डब्ल्यूटीओ निकाय से आईसीटी लेवी पर फैसले में देरी करने को कहा (28 अप्रैल)

- भारत और चीनी ताइपे ने संयुक्त रूप से डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान निकाय (डीएसबी) से 26 जुलाई तक विशिष्ट सूचना और प्रौद्योगिकी उत्पादों पर भारत के आयात शुल्क के खिलाफ किसी भी फैसले को रोकने का अनुरोध किया है।

- यह अनुरोध 26 अप्रैल को जिनेवा में आयोजित डीएसबी बैठक के दौरान किया गया था, जिसका उद्देश्य आयात शुल्क से संबंधित विवादों को हल करने के लिए अधिक समय देना था।
- जिनेवा स्थित डीएसबी, इस अनुरोध का सम्मान करने के लिए सहमत हुआ, और विवाद पैनल की रिपोर्टों पर विचार 26 जुलाई, 2024 तक बढ़ा दिया।
- यह चौथी बार है जब भारत और चीनी ताइपे द्वारा ऐसा अनुरोध किया गया है, और डीएसबी ने पिछले अवसरों पर भी उनके अनुरोधों को समायोजित किया है।
- डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुसार, एक बार विवाद पैनल अपना फैसला जारी कर देता है, तो डीएसबी आम तौर पर इसे 60 दिनों के भीतर कार्यान्वयन के लिए अपना लेता है। हालाँकि, विवाद में शामिल देश पारस्परिक रूप से डीएसबी से फैसले को अपनाने में देरी करने का अनुरोध कर सकते हैं।
- 17 अप्रैल, 2023 को जारी विवाद पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ सूचना और प्रौद्योगिकी उत्पादों पर भारत का आयात शुल्क वैश्विक व्यापार मानदंडों का उल्लंघन है।

प्रारंभिक अभ्यास प्रश्न

<p>प्रश्न 1: निम्नलिखित में से कौन सी घटना पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का प्रमाण प्रदान करती है?</p> <p>क) पक्षियों और समुद्री कछुओं का प्रवास ख) इंद्रधनुष का निर्माण ग) ज्वालामुखी विस्फोट की घटना घ) सौर विकिरण की बदलती तीव्रता</p>	<p>उत्तर: ए) पक्षियों और समुद्री कछुओं का प्रवास</p> <p>स्पष्टीकरण: ऐसा माना जाता है कि कई प्रवासी जानवर अपनी लंबी यात्राओं के दौरान नेविगेशन सहायता के रूप में पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग करते हैं।</p>
<p>प्रश्न 2: पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र मुख्य रूप से उत्पन्न होता है:</p> <p>अ) सूर्य और चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव बी) पिघले हुए बाहरी कोर में संवहन धाराएँ ग) पृथ्वी की पपड़ी में रेडियोधर्मी क्षय घ) वायुमंडल में रासायनिक प्रतिक्रियाएँ</p>	<p>उत्तर: बी) पिघले हुए बाहरी कोर में संवहन धाराएँ</p> <p>व्याख्या: पृथ्वी के बाहरी कोर में तरल लोहे की मंथन गति एक विशाल डायनेमो की तरह काम करती है, जिससे विद्युत धाराएँ बनती हैं जो चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न करती हैं।</p>
<p>प्रश्न 3: पृथ्वी के चुंबकीय ध्रुवों ने निम्नलिखित की प्रवृत्ति दिखाई है:</p> <p>अ) पूरे भूवैज्ञानिक समय में अपनी स्थिति पर स्थिर रहें बी) धीरे-धीरे आगे बढ़ें और कभी-कभी ध्रुवीयता को उलट दें ग) भौगोलिक ध्रुवों के साथ स्वयं को पूर्णतः संरेखित करना घ) थोड़े समय में काफी कमजोर हो जाना</p>	<p>उत्तर: ब) धीरे-धीरे आगे बढ़ें और कभी-कभी ध्रुवता को उलट दें</p> <p>व्याख्या: पैलियोमैग्नेटिज्म (चट्टानों में दर्ज प्राचीन चुंबकीय क्षेत्रों का अध्ययन) के अध्ययन से पता चलता है कि पृथ्वी के चुंबकीय ध्रुव समय के साथ भटकते रहते हैं और अतीत में पूरी तरह से पलट भी चुके हैं।</p>
<p>प्रश्न 4: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:</p> <p>1. पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र ग्रह को हानिकारक सौर विकिरण से बचाता है। 2. ऑरोरा (उत्तरी और दक्षिणी रोशनी) चुंबकीय क्षेत्र और सौर हवा के बीच परस्पर क्रिया के कारण उत्पन्न होती है। उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?</p>	<p>उत्तर: c) 1 और 2 दोनों</p> <p>स्पष्टीकरण: चुंबकीय क्षेत्र एक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करता है, जो सौर हवा से अधिकांश आवेशित कणों को विक्षेपित करता है। जब कुछ कण क्षेत्र के साथ संपर्क करते हैं, तो यह अरोरा का मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रकाश प्रदर्शन बनाता है।</p>

<p>क) केवल 1 बी) केवल 2 ग) 1 और 2 दोनों द) न तो 1 और न ही 2</p>	
<p>प्रश्न 5: संरचना में उड़ने वाले पक्षी अक्सर वी-आकार का पैटर्न अपनाते हैं: ए) वायुगतिकीय दक्षता में सुधार और ड्रैग को कम करना ख) झुंड के सदस्यों के बीच संचार बढ़ाएँ ग) बड़े और अधिक डराने वाले दिखने से शिकारियों को रोकें घ) व्यक्तियों के बीच लगातार अंतर बनाए रखें</p>	<p>उत्तर: ए) वायुगतिकीय दक्षता में सुधार और ड्रैग को कम करना स्पष्टीकरण: वी-गठन पक्षियों को सामने वाले पक्षी द्वारा बनाए गए अपवाश का शोषण करने की अनुमति देता है, जिससे उनकी ऊर्जा व्यय कम हो जाती है और लंबी उड़ानें संभव हो जाती हैं।</p>
<p>प्रश्न 6: निम्नलिखित में से कौन सी घटना पक्षी झुंडों की समन्वित उड़ान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है? ए) भंवर बहाव बी) इकोलोकेशन ग) कोरिओलिस प्रभाव घ) प्रकाश संश्लेषण</p>	<p>उत्तर: ए) भंवर बहाव स्पष्टीकरण: प्रत्येक पक्षी के पंख घुमावदार वायु धाराएँ बनाते हैं जिन्हें भंवर कहा जाता है। पीछे के पक्षी इन भंवरों से उत्थान का लाभ उठाने के लिए अपनी स्थिति बनाते हैं, जिससे उनकी उड़ान में सहायता मिलती है।</p>
<p>पक्षियों के समन्वित झुंड व्यवहार में एक प्रमुख तंत्र है: क) प्रत्येक पक्षी केवल झुंड के नेता पर ध्यान केंद्रित करता है। बी) पक्षी कुछ पड़ोसियों को दृष्टिगत रूप से ट्रैक करते हैं और तदनुसार अपनी उड़ान को समायोजित करते हैं। ग) पक्षी समन्वय बनाए रखने के लिए श्रवण संकेतों का उपयोग करते हैं। घ) एक जटिल केंद्रीय तंत्रिका तंत्र जो पूरे झुंड को नियंत्रित करता है।</p>	<p>उत्तर: बी) पक्षी कुछ पड़ोसियों को दृष्टिगत रूप से ट्रैक करते हैं और तदनुसार अपनी उड़ान को समायोजित करते हैं। स्पष्टीकरण: शोध से पता चलता है कि झुंड में पक्षियों में पदानुक्रमित नेता-अनुयायी संरचना नहीं होती है। इसके बजाय, वे आस-पास के कुछ लोगों पर ध्यान देकर और उनके सापेक्ष अपनी स्थिति को समायोजित करके समन्वय बनाए रखते हैं।</p>
<p>प्रश्न 8: निम्नलिखित पर विचार करें: 1. वायुगतिकी 2. सामाजिक संपर्क 3. दृश्य संकेत पक्षियों की समन्वित उड़ान को समझने के लिए उपरोक्त में से कौन से कारक आवश्यक हैं? ए) केवल 1 और 2 बी) केवल 2 और 3 ग) केवल 1 और 3 घ) 1, 2, और 3</p>	<p>उत्तर: डी) 1, 2, और 3 व्याख्या: समन्वित पक्षी उड़ान एक जटिल घटना है। वायुगतिकी ऊर्जा दक्षता को समझने में मदद करती है, सामाजिक संपर्क झुंड के व्यवहार को नियंत्रित करते हैं, और दृश्य संकेत संरेखण बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।</p>
<p>प्रश्न 9: पाकिस्तान के लिए बनाई जा रही हैंगर श्रेणी की पनडुब्बियां मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस प्लेटफॉर्म पर आधारित हैं? a) फ्रेंच अगोस्टा श्रेणी की पनडुब्बी बी) जर्मन टाइप 214 पनडुब्बी ग) चीनी प्रकार 039ए/041 युआन श्रेणी की पनडुब्बी द) रूसी किलो-श्रेणी की पनडुब्बी</p>	<p>उत्तर: सी) चीनी प्रकार 039ए/041 युआन श्रेणी की पनडुब्बी स्पष्टीकरण: हैंगर - क्लास चीनी प्रकार 039ए/041 का एक निर्यात संस्करण है, जिसे पाकिस्तान की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संशोधित किया गया है।</p>

<p>प्रश्न 10: निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता हंगोर श्रेणी की पनडुब्बियों की युद्ध क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है?</p> <p>ए) परमाणु प्रणोदन प्रणाली बी) वायु-स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) प्रौद्योगिकी ग) मिसाइलों के लिए वर्टिकल लॉन्च सिस्टम (वीएलएस)। घ) उन्नत ध्वनिक शांत उपाय</p>	<p>उत्तर: बी) वायु-स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) तकनीक स्पष्टीकरण: एआईपी डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को सतह पर आए बिना लंबे समय तक पानी के भीतर काम करने की अनुमति देता है, जिससे उनकी गुप्त और परिचालन सीमा में काफी वृद्धि होती है।</p>
<p>हंगोर श्रेणी की पनडुब्बी परियोजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :</p> <p>1. इसमें चीन और पाकिस्तान दोनों में पनडुब्बियों का निर्माण शामिल है। 2. यह पाकिस्तान की अपनी नौसैनिक क्षमताओं को आधुनिक बनाने के प्रयासों का एक उदाहरण है। उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?</p> <p>ए) केवल 1 बी) केवल 2 ग) 1 और 2 दोनों घ) न तो 1 और न ही 2</p>	<p>उत्तर: सी) 1 और 2 दोनों स्पष्टीकरण: हंगोर -श्रेणी कार्यक्रम में दोनों देशों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और निर्माण शामिल है, जो पाकिस्तान द्वारा अपने नौसैनिक बलों में एक महत्वपूर्ण निवेश को प्रदर्शित करता है।</p>
<p>प्रश्न 12: निम्नलिखित संदर्भों पर विचार करें:</p> <p>1) चीन के साथ बढ़ते रणनीतिक संबंध 2) हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा संबंधी चिंताएँ 3) भारत की नौसैनिक शक्ति को संतुलित करने का प्रयास</p> <p>हंगोर श्रेणी की पनडुब्बियों के विकास और अधिग्रहण को उपरोक्त कितने संदर्भों से जोड़ा जा सकता है?</p> <p>क) केवल एक ख) केवल दो ग) तीनों घ) कोई नहीं</p>	<p>उत्तर: घ) उपरोक्त सभी स्पष्टीकरण: यह परियोजना पाकिस्तान की बहुआयामी रणनीतिक गणना को दर्शाती है, जिसमें चीन के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना, क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता को संबोधित करना और भारत के साथ शक्ति के अधिक अनुकूल संतुलन की तलाश करना शामिल है।</p>
<p>प्रश्न 13: लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 53(3) के तहत, यदि किसी सीट के लिए केवल एक ही उम्मीदवार नामांकित है तो:</p> <p>क) रिटर्निंग अधिकारी को अभी भी औपचारिक चुनाव प्रक्रिया का संचालन करना होगा। ख) उम्मीदवार को बिना मतदान कराए निर्वाचित घोषित किया जा सकता है। ग) चुनाव आयोग किसी अन्य उम्मीदवार को नियुक्त कर सकता है। घ) उपचुनाव होने तक सीट खाली रहती है।</p>	<p>उत्तर: बी) उम्मीदवार को बिना मतदान कराए निर्वाचित घोषित किया जा सकता है। स्पष्टीकरण: धारा 53(3) निर्विरोध चुनाव की अनुमति देती है जहां एकल नामांकित उम्मीदवार को औपचारिक मतदान प्रक्रिया की आवश्यकता के बिना निर्वाचित घोषित किया जाता है।</p>
<p>प्रश्न 14: निम्नलिखित में से कौन सी स्थिति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 53(3) के प्रावधानों को ट्रिगर करती है?</p> <p>क) जब कम मतदान के परिणामस्वरूप किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिलता है।</p>	<p>उत्तर: घ) जब कई उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले लेते हैं और केवल एक ही उम्मीदवार बचता है। स्पष्टीकरण: धारा 53(3) विशेष रूप से उस परिदृश्य को संबोधित करती है जहां शेष उम्मीदवार भरी जाने वाली सीटों की तुलना में कम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप निर्विरोध चुनाव होता है।</p>

<p>ख) जब चुनाव के बाद विजयी उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया जाता है। ग) जब किसी सीट के लिए एकमात्र उम्मीदवार मतदान से पहले अपना नामांकन वापस ले लेता है। घ) जब कई उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले लेते हैं और केवल एक ही उम्मीदवार बचता है।</p>	
<p>प्रश्न 15: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें: 1. धारा 53(3) का उद्देश्य ऐसे मामलों में समय और संसाधनों की बचत करना है जहां परिणाम पूर्व निर्धारित हो। 2. इस प्रावधान के अंतर्गत निर्विरोध चुनाव हमेशा लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की कमी का संकेत देते हैं। उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? क) केवल 1 बी) केवल 2 ग) 1 और 2 दोनों द) न तो 1 और न ही 2</p>	<p>उत्तर: a) केवल 1 स्पष्टीकरण: धारा 53(3) का प्राथमिक लक्ष्य प्रक्रियात्मक दक्षता है। हालांकि ऐसे मामले हो सकते हैं जहां निर्विरोध चुनाव प्रतिस्पर्धा की कमी को दर्शाता है, अन्य परिदृश्य (जैसे कई वापसी) नहीं हो सकते हैं।</p>
<p>प्रश्न 16: अधिनियम की धारा 33 मुख्य रूप से क्या संबोधित करती है? क) चुनाव कराने की प्रक्रिया ख) नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया ग) वोटों की गिनती की प्रक्रिया घ) शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया</p>	<p>उत्तर: (बी) नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया स्पष्टीकरण: अधिनियम की धारा 33 विशेष रूप से नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया से संबंधित है और चुनाव के दौरान वैध नामांकन के लिए आवश्यकताओं की रूपरेखा तैयार करती है। यह अनुभाग यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण है कि उम्मीदवार चुनावी प्रतियोगिताओं के लिए अपना नामांकन पत्र जमा करते समय सही प्रक्रिया का पालन करें।</p>
<p>प्रश्न 17: चुनाव के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) की भूमिका कौन निभाता है? ए) जिला मजिस्ट्रेट ब) राज्य के मुख्य सचिव ग) एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश घ) गृह मंत्रालय द्वारा नियुक्त एक वरिष्ठ राजनयिक।</p>	<p>उत्तर: ए) जिला मजिस्ट्रेट स्पष्टीकरण: जिला मजिस्ट्रेट (या जिला कलेक्टर) आमतौर पर अपने जिले में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जिला चुनाव अधिकारी की अतिरिक्त जिम्मेदारियां लेते हैं।</p>
<p>प्रश्न 18: निम्नलिखित में से कौन सा जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) का प्राथमिक कार्य नहीं है? क) मतदाता सूची की तैयारी और पुनरीक्षण ख) मतदान कर्मियों की नियुक्ति और मतदान केंद्र स्थापित करना ग) चुनाव परिणामों की घोषणा घ) आदर्श आचार संहिता का प्रवर्तन</p>	<p>उत्तर: c) चुनाव परिणामों की घोषणा स्पष्टीकरण: डीईओ चुनाव प्रशासन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है लेकिन परिणामों की घोषणा एक विशिष्ट निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी द्वारा की जाती है।</p>
<p>प्रश्न 19: जिला निर्वाचन अधिकारी (DEO) इनमें से किस निकाय के साथ निकट समन्वय में कार्य करता है? ए) नीति आयोग बी) भारत का चुनाव आयोग ग) भारत का सर्वोच्च न्यायालय घ) गृह मंत्रालय</p>	<p>उत्तर: बी) भारत का चुनाव आयोग स्पष्टीकरण: डीईओ भारत के चुनाव आयोग का जिला-स्तरीय प्रतिनिधि है, जो देश में चुनावों की देखरेख के लिए जिम्मेदार संवैधानिक निकाय है।</p>

प्रश्न 20: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. जिला निर्वाचन अधिकारी विकलांग व्यक्तियों के लिए सुलभ मतदान सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है।

2. डीईओ चुनाव संबंधी उद्देश्यों के लिए सरकारी भवनों की मांग कर सकते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

ए) केवल 1

बी) केवल 2

ग) 1 और 2 दोनों

घ) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: सी) 1 और 2 दोनों

स्पष्टीकरण : दोनों कथन जिला निर्वाचन अधिकारी की शक्तियों और जिम्मेदारियों को सटीक रूप से दर्शाते हैं।

PatrioticClas